

2426



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ भगवामेकिवाचा १०८
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ १ ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ २ ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
पुनः

ॐ श्री श्री श्री नमो भगवते वासुदेवाय १०८
ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय १०८
कीला प्राकृ वने ३॥ अथ भगवतः

ला १

ॐ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय
त्येकरालनृ सिंघाये स्वाहा ह्रीं ह्रीं
ह्रीं ह्रीं ह्रीं सकल भूत भोता सम
नाये स्वाहा ॥

ॐ यदि मनुष्यः शुद्धिं योयं च
मुषि हनुमानये ॐ मंमं
मंमं सकल वीर्यहराये स्वाहा

पानी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय कुरु मनुष्यः
सि हनुमानये प्रणमः ॥ ३ ॥
भेदनाये स्वाहा

ॐ ह्रीं ह्रूं ह्रूं ह्रूं मंत्रमा
 हा भैरवाय नमः कौ
 कृ कृ कृ कृ भगवत्पाद
 रसायै दिनमा कं भूपाय
 विष्णुसन्तानं त्रिकै
 स्वयं

ॐ ह्रीं ह्रूं ह्रूं ह्रूं मंत्रमा
 हा भैरवाय नमः कौ
 कृ कृ कृ कृ भगवत्पाद
 रसायै दिनमा कं भूपाय
 विष्णुसन्तानं त्रिकै
 स्वयं

ॐ ईन गुनमाहा गुनपनाचि
 नृशान श्रीराम किवाचा
 पच भैयाको वानस्वारमह
 पादि मुफर्कि रेकेरा करलनु
 तिनै फेरवा पादनु याति गरी
 सके वदी सिहलेजा सुआका
 सवान् मानिसले हाने कोवा
 नृको कन्द

को व
 दी म

सिन्धु गुता मुना लेजा रनु के
 रऊ कोर चारै दिता मा कलनु

ॐ ईराशान कोशान कवि
दे कर्मचउला पाहुं ई किनि
कोशानमाहुं उला पारी माहुं
यक वाचा दुई वाचातिन
वाचा सिवु गुरु कि वाचाः
कोषा उद्याम ॥ रात पि दे सह
सुधारा ल्याहुं

नुन मंत्रनुप यो जने कोषा
उद्याम थारो जाई को

उरुहनुप यो जने सहस
धारा ल्याहुं

ॐ आथउली यानसींग
पली या भेड जोकरे सोम
रे वागविर नासींग किआ
जे फुरम कि वाचा

भात मा भयापनिने मा भ
यापनी उला गरी खाउ
उरुहनुप यो जने सहस

ॐ मगाय फुलगाय नानि
त्रिभु सिवाचा

गानाको फारने

ॐ साति माहं धार्ति माहं विष
जरा माहं हागा माहं पात माहं
कुल माहं रस माहं सिर माहं
फट् गुरु किवाचा

॥ विष मारने ॥

ॐ साति जाग माहं धार्ति जाग
विष जाग हागा जाग पात
जाग कुल जाग रस जाग
सिर जाग फट् गुरु किवाचा

विष जाग वने मातो पति
जाग वने

ॐ हरी या श्री दे कि पहे
लिहा लू जा वि दे जो गरस
र

कु कुर राई ने को वो भू स नि
चरवार को व्या हान पुजा
गरी भा वनु आई त वार
को दिन यक द्या कि व सि
वे लु द्या बन्दी व्या वनु

दो तो ऊँ र मो तो वान् र ग म
था पि वा त व ति र ग म को स
कि मे रो भ कि ई स्वर मा हा दो
को वा चा

र ग ल था म ने ॥

ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं कामे स्वरी

ॐ स मा ये स्वा हा र १

चिलो ऊँ रो मा मं न ग रि ध्या व
उ ॥

ॐ सर गु यालि मर गु यालि गु
या लि गु यालि मु सालि को सव
दने जो ई को इत जरी जा आ
जे स ते गु म कि वा चा ई स्वर मा
हा दो कि वा चा कृत्वा हा

गर कार को नालि व ना ई फुक
उ नली जी कने वे ला मा दा त
को कि रा को दो हलो दो हलो
म न नु

दात को कि रा मा र ने

तैषु प्रमानयेति आठ कविं रमसा
 नयेति आठः विरमसानयेति
 आठः पाषा प्रमानयेती आठः
 गल प्रमानयेति आठः विवा
 ईठयेति आठः मुतु को मुतुषा
 ५ कले जाको कले जाषाठः
 को कलाको को कलाषाठः
 रगार को रगार दिजे रै को
 रै दिजेः सिर को सिर दिजे
 पाठ को पाठ दिजे जिठ को
 जिठ दिजे कोषा को कोषा दिजे
 कोषाई हा निहाति आठ

विरमसान सादित्या उतुना पंषि साव

लपरी प्राधाने अरु वरी पोरी रा
 खनु माजा मावति राखनु
 पदिलति रमा तो को मुर्ति व
 नाई राखनु विरा मिलाई अ
 देता उददै ऊषरा मावनी
 राखनु ता परीति रवनी रोदि
 नु यति गरी सके पदिसो हि
 ऊषरा उता न पारी राखनु
 ऊषरा उतने साथ सवै लगी
 बोला मात पारी राखनु द्याता
 मुर्ति राखनु ऊषरा दोरनु वि
 रमा जो को नी को ऊद

ॐ सप्त सिवाय कालाये स्वा
हा सचु को नामली फुकनु
आधी जोगा वन मंत्र

ॐ कालो विरजथाई ल्याऊ
ॐ सेता विरजथाई ल्याऊ
ॐ राता विरजथाई ल्याऊ
ॐ पहला विरजथाई ल्याऊ
ॐ फुला विरजथाई ल्याऊ
ॐ निला विरजथाई ल्याऊ
ॐ हरी या विरजा जिजागी

आउ ॐ सिधारे विरजागी जागी
आउ ॐ धक बुलै विरजागी जा
गी आउ ॐ धम् धमे विरजा
गी जागी आउ तम विरराजा जा
गी आउ कर नाबरका वाउनु
न विरजागी आउ ॐ अँस
मँस हप भुप धुप धुपारले
उ ॥ ॥ ॥ ॥

विरजा वन लाई तपरी मा चा
मल वेसार गल रावन साथ
फेरा मँ वरी साथै फेरा मास
को धुप हा लनु

जोग दिया को वो का को को कसे
१ कले जो १ मुनु १ मिजौ लो १
याति मासु साथ तुका पारनु
साथ फेर मंत्र परनु साथई
फेर छप हातनु सोई छवौ
रे बाता माल जी खन्या वनु
चो धो चाम ॥ ले वरी दिनु
चाम धने वेला मा ॥ कर्ना
बकी वा डनु विर जोग चा
लाई कं वा डन जा ड कट्ठा
हा ॥ भाषा राखनु ७११५१२१

का मृमा वे भये पादि चाम
वेसार दो लमा सुपरी मारा
बी वोका काति भर्को दोवा
त मारा ध्या थाना मानता
जीजा भननु

ॐ गुरु आगे वज्र वज्र माहा वज्र
ल्लाहा कि स्वता वज्र कि कोता
शीरा मजगजग माहा विरज
ग्रधुम्र चल चल उम कि ई कि
नि ऊँ वि फारी माह मुनु चुडि
माह कले जो चुडि माह लाल
इन्द्रासि माह नं गव सि मा
हं वा गव सि माह हृदये ज
लेवाह तुते नजर फुले खात
खात माहा खात हिरि कद्
रुहं तुत्त कद् कद् म्वाहा

मातो को मुर्ति नगावनु सोई स
चुको नाम लि दे फुकनु स्वई
मुर्ति देवात मारा श्री जो वे को
धनुष जपि हनु

ॐ श्यां काल कर गर जतिष
यां सं कि नि सां कि नि श्यां श्यां
काल चोर चंदाल श्यां काल
देइ भेइ आहा जाहा मनु को
ताहा पिनु पानि कर रस्य शी
न सिं के प्राहि शीन सिं कि वा
चा ~~म~~हामारा चौ सथी न सिं

जागी आउ हामा रा नौ नर्सिं ज
गुरु खेति आउ हामा रा हात
न मारवान न जगई ल्याउ
उ मुनीसिं ज गुरु शान ले माहं

दाने वेला मा ॥ चीन सिं गुरु
र शान ले माहं

चुगा ७ मासि दुर ले र जाई
जापि हानु देवा तमा

ॐ नर्सिं जप माहा देव
जो रा पार्वी ता कि वा चो हा
मारा गुरु कि वा चा सि ५ गुरु
ह कि वा चो रा मल सुमन
कि वा चो ७

र सन धुं गा ज पि हानु नु
सत्र मरै सत्र को ना मला
दै जप नु

ॐ लिं हं कृत्स्वाहा चन्दी
कोहा त हाति यार ली आ
उ हातै-ी सुलवान खेलि
आउ तम चन्दी दे विहामो
हात आउ आर्का कावा
न फी राई देउ तमो चन्दी
विरता बराता ची सुलखो
रि देउः माहा काली दे
विहामा रादाई ने कुम्मा
व सि देउ माहा भद्र का
लि पि थ मा वी सि देउ

तम चन्दी देवी जाल पा
पाउ माव सि देउ नौ दु गा
भवानि चन्दि कै लै कै स
जादि आउ को ली का मा
ई को लै कै स हा दि आ
उ तम दे वि खेलि आउ
कृत्स्वाहा

अधेता दल श्री कुं जा उ सि
दरमा रगा वन्द ॥ पात को
भास नराधि सोई अधेता
दल श्री कुं जा पात माराधी

लोई मंत्र पर है सच को नाम
 लोई सोई वान मा पु जा गन्त
 ॥ सोई सच को पानि मुनि
 अधी रा श्री देवि को पनी
 मुनि अधी है देव न्य गरी स
 नु को नाम लोई या गी गरी
 ल के पदी लोई वान गदि हा
 नु

श्री गुरुदेव नमः
 किराण ॥ गुरुदेव नमः
 गुरुदेव नमः
 गुरुदेव नमः

ॐ ऐं ह्रीं ह्रीं नं दं दं फट्
 स्वाहा

ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं फट् स्वाहा

ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं फट् स्वाहा

ॐ कां किं ह्रीं ह्रीं ह्रीं फट् स्वाहा

ॐ ह्रीं ह्रीं फट् स्वाहा

ॐ श्रीं लिं ह्रीं फट् स्वाहा

ॐ लिं लिं कैं का म्चरी स्वाहा

ॐ श्रीं ह्रीं फट् स्वाहा

ॐ ह्रीं श्रीं फट् स्वाहा

ॐ ह्रीं ह्रीं फट् स्वाहा

हे चंदी माहा का ही नानि लोई मंत्र पर
 अद्ये गा चर्तु

ॐ लिङ्गं कृत्वाहा
ॐ ह्रीं श्रीं कृत्वाहा

ॐ नक पो चल् पा चषा
हुड भेड हर नः कन पोर
षेर षे भेड सुहा ॐ कृत्
ॐ कृत् १

विगार भया को मानिलाई
धरानि मंत्री धसगु

ॐ लोहिा मुखस्वाहा वरौ
ॐ कृत्

५ म् डिको जरा ४ अमला भरी
का मंत्र नु सनु का गृहे जा
५ नु सनु अहे हो मंत्र

आईतवार मंगलवार को
दिन ५ म्दी को नरा पुजाग
शिला उनु

भुत प्रकने॥

ॐ शरीर काली काले वै था
वै हनुमान् विरच्य पा वै
न सिंह दया वै तु द होतं
दवा उ देवता भुत के वो
कृषि पकै ह प्र ह प्र अग्र
निवान काला भैरव च
च वै सार गुरु कि दु हा ई
वाचा पहलो अदे ज पि
अली अली चार सुर साध
नु वा किले हानु नु —

ॐ फूल फूलो स्वर फूल
पर मे स्वरी फूलो ही रं
धौ फूल ही करो सिं गार
ई फूल मत्री फूलो कौ इ
उ ते रो चीन चौरी ली उ
मै गुरु कि म कृति मै रा
म कृति गुरु मंत्र सामा
वाचा सतै

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

४	६९	८	२०	४	२५	६	१८
८	६९	३	२७	९	१०	३	२६
२१	८	४२	१	२१	१३	२०	३
२१	२७	२३	७	२२	२४	१	७

योऽर्जुन भगवन्मातेषन्नुचीलो हकार्जुन
 साहा मिजालावाव्यन्नुअस्सी पुरुषविके
 द्मयाको मिलावहुन्माहुवैअजालार्
 वाविन्नुवद्व्यो कुलले पुजागरी

वेत्तारको माता को लीई मसीमहात्म



राजवस्य हुन्मा गन्धार्द्रकाकाठको कलम
रोचनाचक्रन कासका थावनमार जे मिले

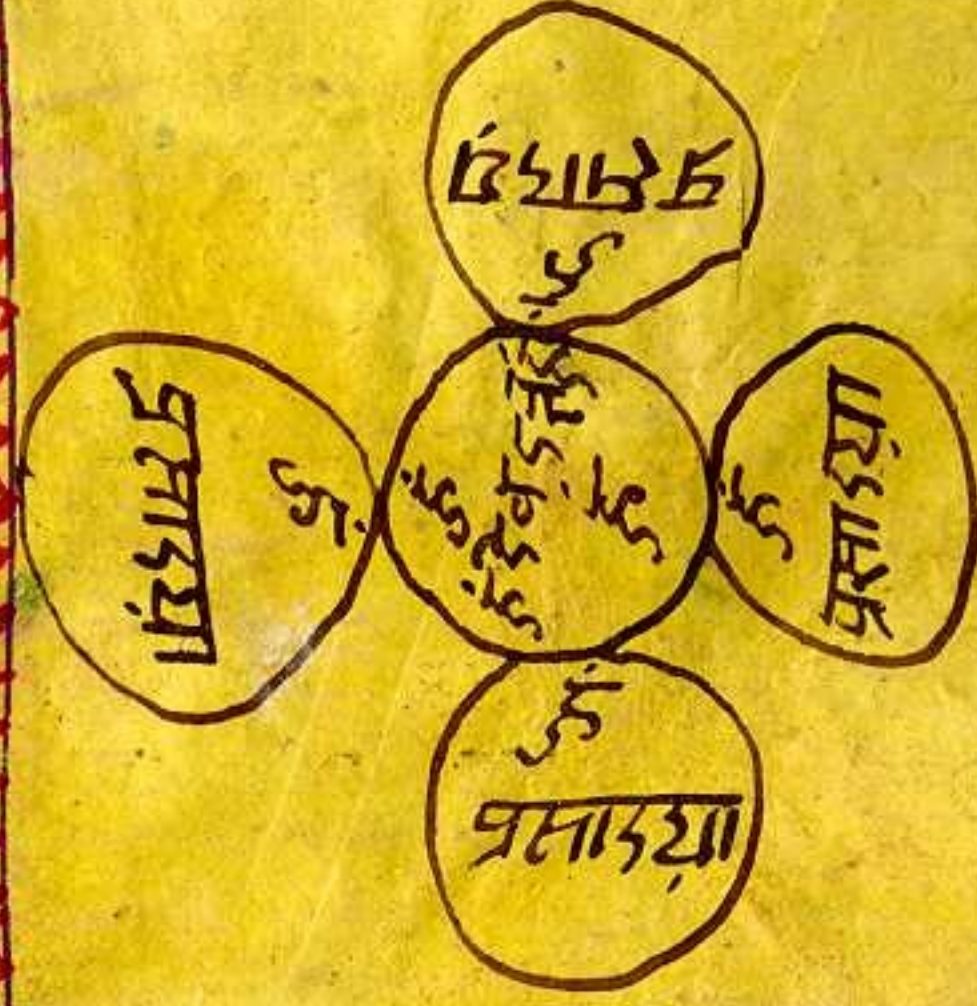
नुगार्द्रकाथनभद्य असले लेखनु वायास
म कविरको कुरल न वायासे तो कुरल
आदिम गलवार पारी लेखनु सात दिन
सम पुजागानु गलावावनु सर्व मोह
नमः

ॐ ह्रीं वटु काये आप ॐ वटु न कटक
ह वटु काये ह्रीं

वाहीरजाडा मम मम मम

दो ह्रीं मू ह्रीं मू ह्रीं मू ह्रीं

अडे गो ज पी का मृ न्य को क म म र मा
रा सि दि न्द



जे मन्त्रिन्महा मनी पुजागर्ह

येह ग्रीव कादा कायात कोमसिवनार्ह स्वमवा
रलेषनु माताका आदामसिहातनु भादो
नमो गे मन्त्रिन् मनी पुजागर्ह सातादि
नममपुजागरी ब्रह्मा भो अरागरी
गमलावायन्दरी सवस्य हुन्ध्याजो अहो

ॐ सरस्वति माता जान प
ति हो नाः मनु मनु भाग
मनु भाग लगने स किं दर
स्य हाई ॥ ॥

धरमा वस नम नूनला
जनेलाई फारनु

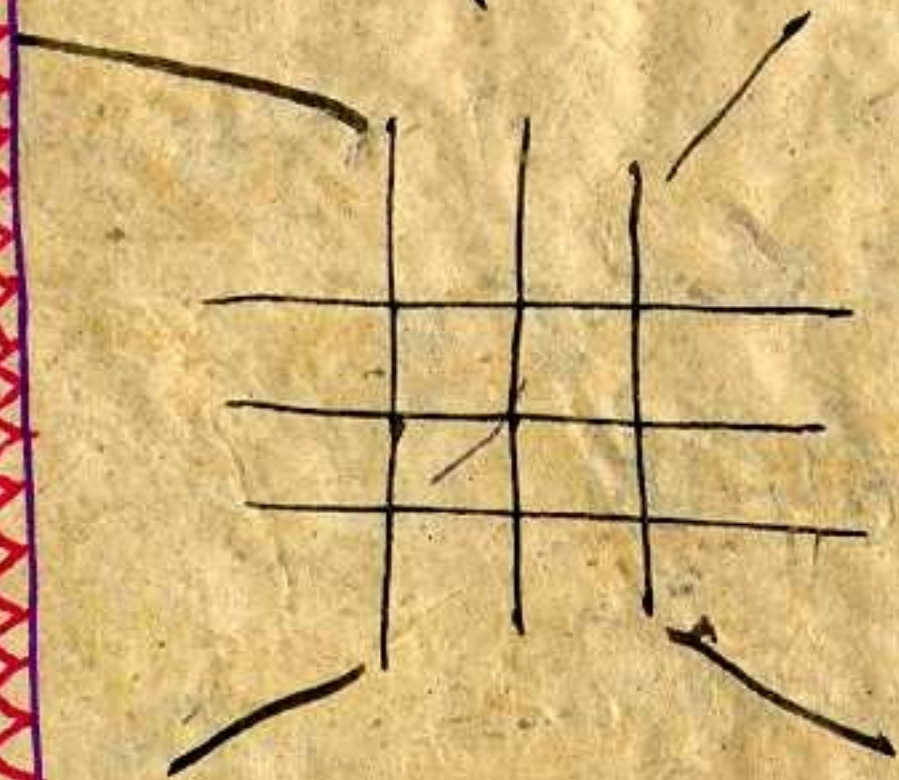
ॐ स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः
कालिका मातुलः कल्या
नकरानि सिंजवानचै
तेजानिरूप विग्रकाला
हृत् फर् फर् फर् स्वाहा
स्वाहा स्वाहा ॥
वोकसिला जे कोलाई अं
गार अछे ना खावनु ॥

ॐ वया काल करजरज
ति वयाः दां कि निसां कि
निः वया काल करभुत
पिसा ऽहो ऽ वया का
ल करजरजति वया ॥
काल कर चोर चंदा
ल वया ॥ काल कर छे
भे ऽ जाहा जाहा सत्रु को
हा पिन्द पानिः कररस्ये

श्रीनर्सि कोडुहाई
सेतोअदे ताडलशीनु
गाजपि चारडिसामा
कोरनु सनु मारनु
ॐ पहे लोनसी ॐ हों
हों हों स्वाहा
वोकसिलार्कचोपोली
थोकनु ॥

ॐ आसफि पानु सनि
स्वोरोस्वो वमसनु वि
नासनम् ॐ कट्स्वाहा
रातोअदे ताजपिसनु
लाईहानुनु ॥
ॐ हां हां हां हूं कट्स्वाहा
आंगमासवैथम् माहा
रनु ॥

ॐ आदे सै गुरु कौ धार्ति
माता कौ ॐ भी मवा उन्
रजपा कर



ॐ आदे सै गुरु कौ धार्ति
माता कौ ॐ उग्र भी मवा
उन् रज पाक वज्र न घाई
विदमून नर्ति कि वा चा
नर्ति गप्र चो दया धार ७
विला उना को का त पैले
उला का तनु केरी के द का ती
लपा वनु यक कुरे थ को का थ
सोई का थ भोरी मारा सी का तनु
केरी नै ई विला उना घो ती धा वनु

विदमून नर्ति कि वा चा
नर्ति गप्र चो दया धार ७
विला उना को का त पैले
उला का तनु केरी के द का ती
लपा वनु यक कुरे थ को का थ
सोई का थ भोरी मारा सी का तनु
केरी नै ई विला उना घो ती धा वनु

माले महे सै व सुने व नै जा की
महुवन दहरा पहरा खेली खे
ली आउ हमारा ७५ रु जोर ख
नाथ हा मारा सिरै क मै व
लि आउ नवै घन्ट आका
सै मन्दल मारी आउ मा नै
गला धरति कोरु ७५ रु व
नै जा कि कालै के मल मा दो
र दोरी आउ रुख को वो
को भै कोलेउ धुपि धुवा
र खे लि खाई आउ सुनै

आं गो खे ली खे ली आउ
ममरा भाई सगु पहरा व
सुने सुनै जा कि जोरी दा
बि ल्याउ हमारा सुनै जा
कि अं जै चरी आउ धुपि
धु वार लगाउ धुपि धु
वार खाई आउ

पाचजोर७जोआयोअनेदे
वि—

३फेरापाचजोर११हाडेथीचा
२जोरआयोअनेधानप्रतिभु
मेकोडोस्—

६जोरलगालगआयोअनेध
रकोकलडोता

चारैजोरचारैजोरआयोअने
तेरोधरमावायुधमनु

२जोरआयोअनेनागाकोडोस्
२जोरआयोअनेभीमसेन
६जोरआयोअनेपातेलको
भावलधमननु

५कफेराचारजोरफेरी
५कलेआयोअनेमनदेदि
उ—

विरभोअने४चारजोरय
कलेआयोअनेविर

चारें बजोर चरें जोर य कहलें
आयो मनो ममान

नार को डोल भया ३ नै फे
रामा च आ ३ ६

पाच फेरा ६ फेरा आयो भ
ने न जी क

ॐ मधु क मारी ॥ हेरा को
माया को मन् मै निरलाग
कालु को मन् हेरा माया
निरलाग अकलाई ६ द्या
रो वंति मलाई ६ द्या हा सं
ति फुर म चाकि वाचा

सिदुर मच गरी आ कु
लेला वनु

मधु क मारी को वाचा

ॐ ब्रह्मनिमोहनिराज
मोहनिप्रजामोहनिभां
गसिदुरजसैमलंतु ॐ ॐ
अस्मा मोहनिहेराको
माया^{मोह}मनिरलाय सैत
गुरुकोवाचा ॥

स्वईमंत्रकोशवनाईगा
उयकमंत्रआकुलेलावगु

ॐ आथ उलीया न सिं
ज पलीया भै ड जो करे
स्व मरे वाग विर न सिं
ज आ ज पा फुर म = इ स्थ
र मा देव कि वा चा फर
म्वा हा

को ब उद्याह थैरी रज
भ या को कैगा के न हने
लाई चई ६५ ब नि उला
ज री डाई ना पा उ उ थाई

चार दिन स म स खान
दिनु पुच होई
जो वर ले भै माली पनु

ॐ वं-चुमु धिाविर

ॐ नमोमहा पंथज अमुकस्य
ममवर्ष अहकृत्वाहा १०८

ॐ सिद्धि ७५५ आगे ॐ रं-चा
ष माहा भैरव्यं ६५५
त्वाहा

ॐ विदे विदे माहा विदे

अमु कायो पित्त नासद्यो

ॐ कर्स्वाहा

कासको वातु का माते लाहा

लिपी तरौ ज मया का मा

निम्नको तालु मारा श्रीस्व

ई वातु का मा वानि प निरा

श्री दुवो ७ ले चलाई कर

नु

अनारको वोरु को ताल वानि

पुर्व म अगरी ७ के रा जा रं

ज्यासा पंथ मया कोला

ॐ ह्रीं ह्रीं २ ॐ ॐ ॐ ३ कृतस्वाहा
चारु ह्याउ काज थी ७ तु ७ जय
या नाव को था यके ॥ नुग
लम दिनयाः प्रचत अरीन
या कया पालजुल ॥

ॐ नमो श्री नित्ये नाथाय ३
नमो विमि विख व था ज का
मलु पि विद्या मो हो नि का
म मो हो नि सिधि मो हो नि
ॐ ॐ ॐ ह्रीं ह्रीं स्वाहा ॥
थो मंत्र न नाथे स्वरि या के कय
कि के न व व रु सं य व ॥ ॥

ॐ अक्षयद्विवाद्यो काला
जारा वाद्येराद्यो वादन वि
रहाईवाद्यो नमिर्विर
वसिर्विर हागैराद्यो
ॐ परमस्वराकवाचा
अरागि जायि उवाचा
चागु

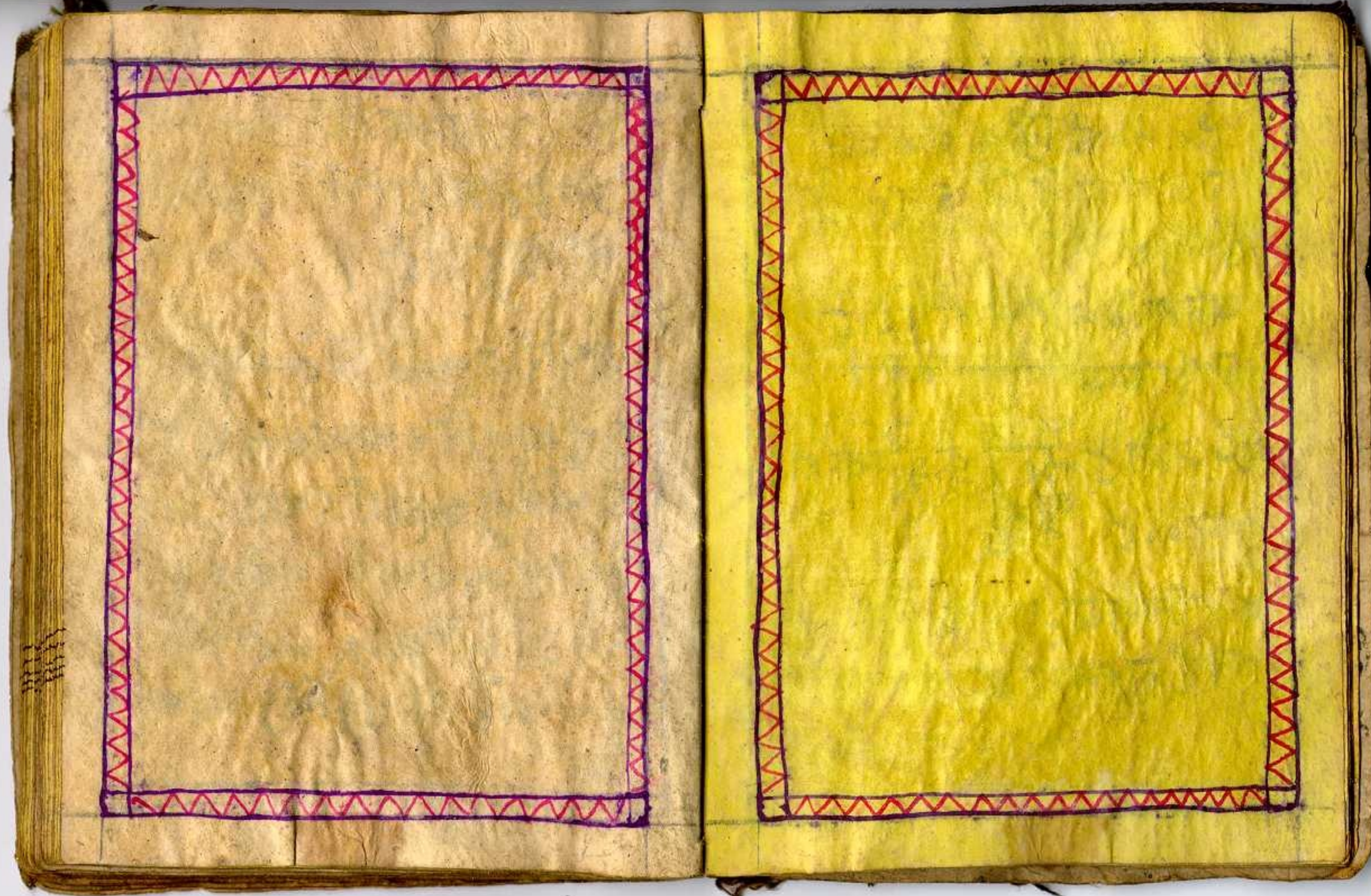
माथैराद्यो बदनभोनविर
हागैराद्यो

ॐ नलनल नु मे चालु
वर्तिग अनमई पृति पेलि
ये स्वाहाः॥ अयुप्रभोया
नित्यपि अलिधि श्रीप
श्रीका हो न गुतिका गुन
पुये चाल १००७

ॐ वयं काल कर जर जाति
वयं सं कि नि सा कि नि वयं
काल कर भुति प्रसाद दो
ॐ वयं काल कर जर जाति
वयं: काल कर चोर चंडी
ल वयं काल कर दे दे भेद
जा हा जा हा सजु को गा हा
पि न्दु पानि कर रम्ये आ-
न सि को दु हा इ

ॐ राजाराजाजोरचनाथ
आडेसंमहादेवजोराधार
ताकोडुहाई

ॐ श्रीरिड कालिका लो वै था वै
 हनुमान् विरच्य पा वै न सिंह
 द्य पा वै तु ध हो गें ड वा उ दे व ग
 अ ग प के वो क सि प के ह प
 ह प अ ग नी वान का ला मे र
 व च पा वै स द्गु ह कि डु हा ई वा
 वा



ॐ नमो काँ किँ कुँ कल कल
काल सै हारी नि कमल व्र
यु स्वाहा १०८

थवत विपति सजा यथाय
शरनयाय

ॐ नमो ॐ श्री कृष्ण स्था ह्रीं
चार १०८

नरसिंहाया जाष दे ५ नै ५ जु
लसी जारन याय —————

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय १०८

मानिस्को हा इत्याहुनु अं
 पुलः किलोवना वनुभो
 गडि पुजागर्नु मीदु वाह मा
 गाहुनु मः घरी मा वः मः

शान्तुतुतु कद

ॐ ह्रीं क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं
 वज्ररवचलायस्त्रीं धननाय
 ॐ नमोस्तुते ॥

ॐ स्वनचनं शुभप्रति
हं ह्रीं हूं ह्रूं फट् स्वाहा २१

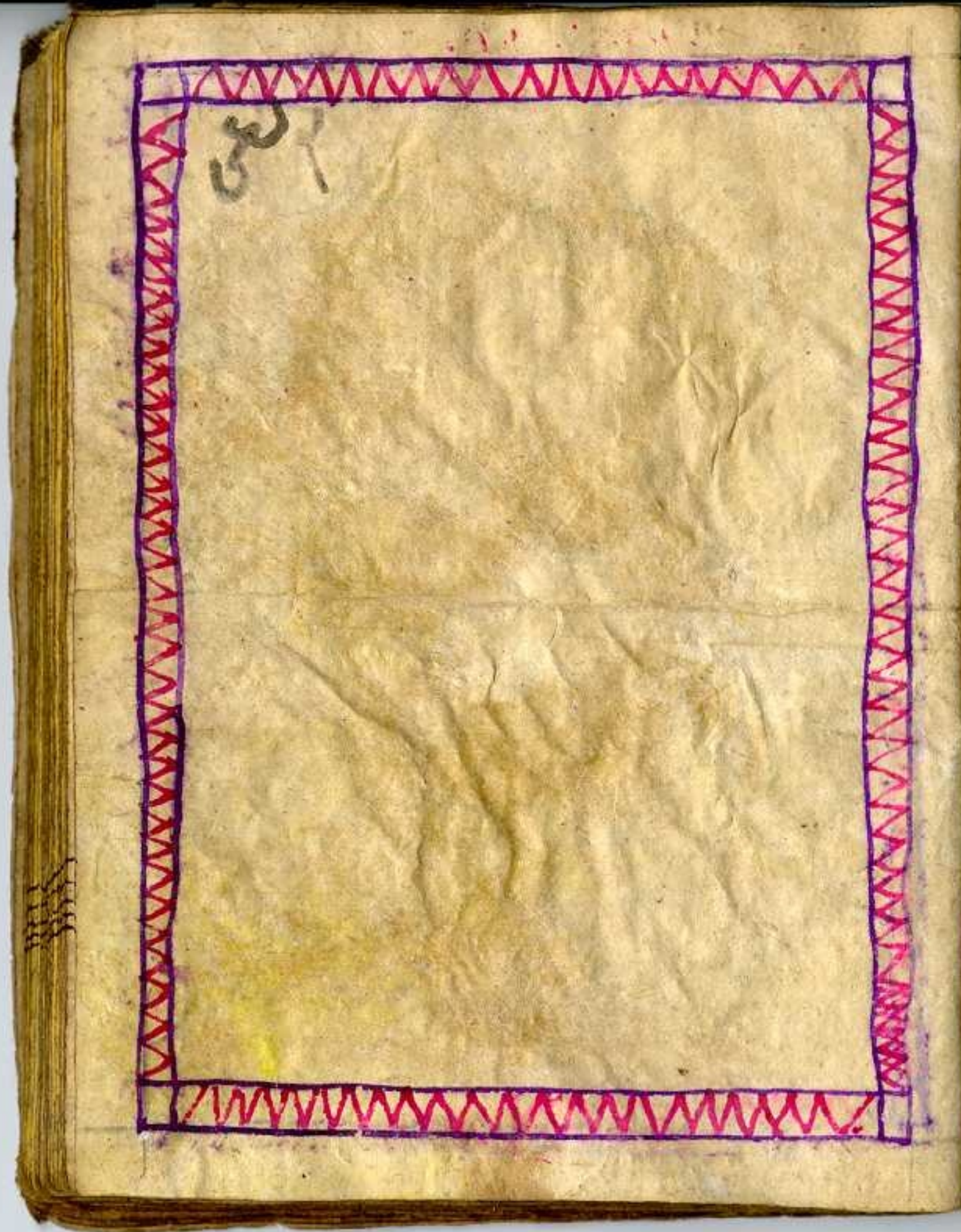
मिसा पिहा मव चो नी जरे थो म
नया नान के धरी पर चर्न चो ने
मर मयु पिहा वयु मिज म
नो तु या बो ना हय मा त व ल्य
क र्क न र्क या य ग गु न

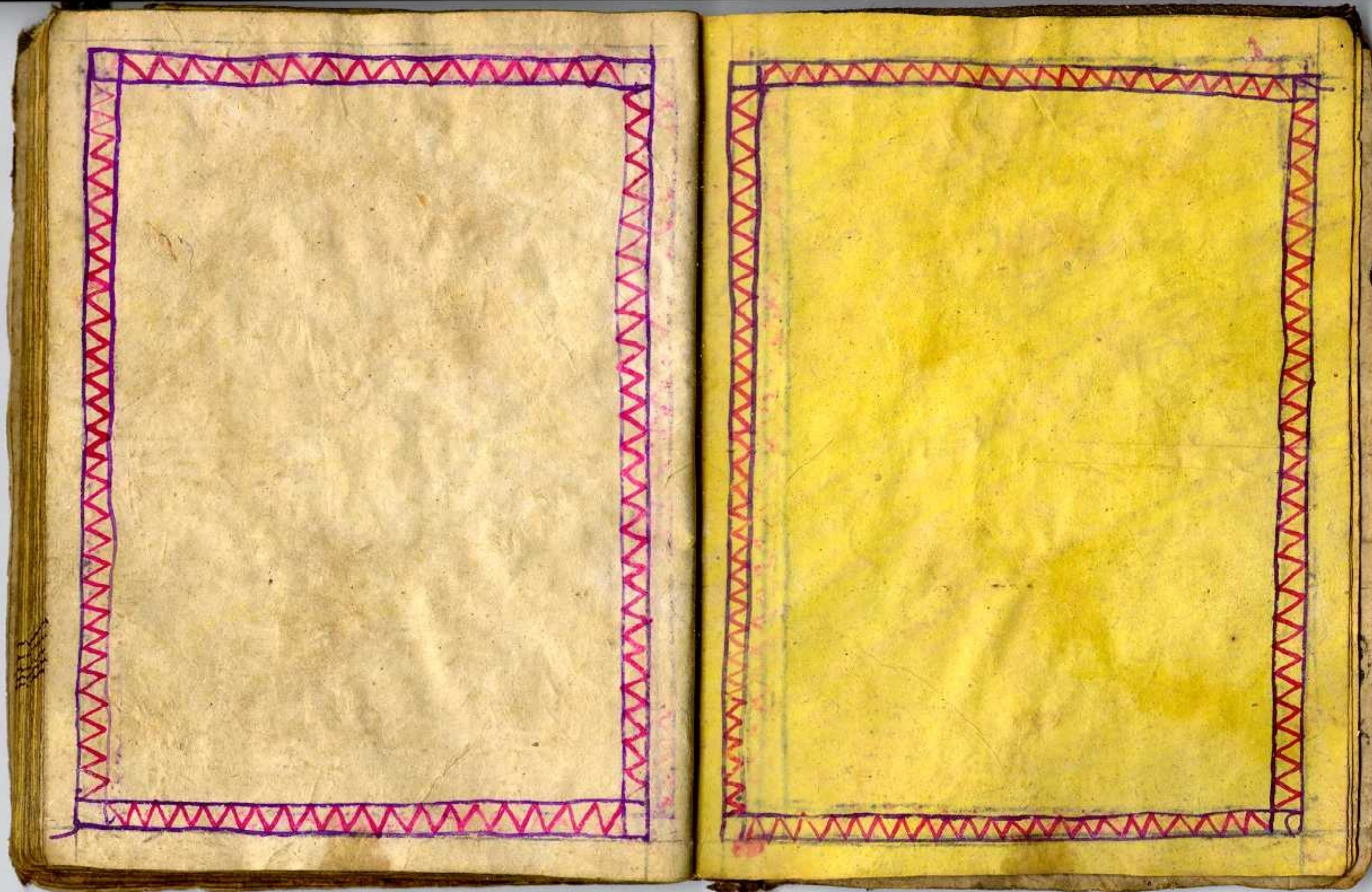


ॐ नमसीदी गुरु आशा
ॐ नमथी चंदी य मा हा चंदी
व गु चंदी हूं हूं करु स्वाहा १०००

कला मरी ज्या न्या व साधन
याये व मया नाम मल व म
या देः सव ड व ई वः दुष विय
गुल पुजा विधि उ अ वा हन
हं सजी व ह्या उ क प ल न मु
य के मुजा य न स चोयः इ का
प काः हा ल न कि ना ये गु हे १

मो ल स १ पा थ स १ ला हा
त स २ ज प या ना ना ये





ॐ समुद्र पारि वन्दरी वि
यार तो हा जन्मै हनु मै त
विर आया है वायु गुल्म फि
या सरत अंज नि पुत्र
हनु मान ते रि आशा
फुर्मे च इन्द्र र कि वा
चा

ॐ कृष्णाय नमः कमारय
राजगुरु कृष्णस्वाहा

वसनाम चोद्या चुपि सपुया सु
य मंत्र चार २९ जपनु

ॐ कृष्ण कर्तृ हत के नामि धा
राय स्वाहा

कई जमा सुया चुलिका य मंत्र
चार २९ जमा विद्य लि का य

श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ॐ नमो श्री गुरु आशा ॐ
स्वै मनी मोहनी २ देवै ह
कृष्ण १०८

ॐ जलवान थलवान
ईश्वरवान इन्द्रवान गुरु
केवा वाः स उका सिल तोर
जीरी तोर्नु जुध तोरनु गुरु
केवा वा कृष्ण स्वाहा १६

कली चास सपुया नाम चोये
देवात सपुने ॥ कपु गंधक
नाग सोल चोयेः सपुना भो
चास चोय ॥ ॥

ॐ नमो श्री गुरु आशा ॐ प्राना आश
जय जाते अखरगय हीं ५
ॐ

ॐॐ फात स्वाहा पुलि छडे
विहं फात स्वाहा

३ अक्षर

जो लका श्री को गानो र वो

ॐ नमो श्री गुरु आशा ची-ची-
लावे मधु-धो-वे तुं तो तो ब्रह्म मि
तो लावे दव्वे तो तो लावे ॥ ध्वनि गये
मुल भये काम मुल देह मुल जीतु
तु मल वज्र मय

धोप नत चाल २९ ची मुय के धोमि
नं नाम को लो लादि ध्वनि र सु नु या
धमाल

ॐ नमो श्री गुरु आशा ॐ नमो श्री बने
धमाल चो दी वज्र चो दी हूं हूं कर दवा



2426

ASHP ARCHIVE